शेयर बाजार में निचले स्तर से निवेशकों के लिए खरीदारी का अच्छा मौका

शेयर बाजार में जारी रहेगा उतार-चढ़ाव

देवेन चौकसी
एमडी केआर चौकसी सिक्योरिटीज

बाजार में राजनैतिक, करेंसी, क्रूड ऑयल, ग्लोबल और टेक्नीकल कारणों के चलते भारी उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। विदेशी निवेशक मैट और संसद में अटके कई बिलों के चलते भारत से पैसा बाहर निकाल रहे हैं। घरेलू और विदेशी निवेशकों को इस बात की चिंता है कि बिल लोकसभा में तो पास हो रहे हैं, लेकिन राज्यसभा में अटक रहे हैं। कमजोर रुपए और क्रूड के बढ़ते दामों ने भी आग में घी का काम किया है। हमें लगता है कि बाजार निचले लेवल पर निवेशकों को खरीदारी के मौके दे रहा है। बड़ी गिरावट पर अच्छे शेयरों में निवेश करने का मौका है।

ऑयल और गैस सेक्टर के शेयरों में तेजी की संभावना

सरकार ने ऑयल मार्केटिंग और अपस्ट्रीम कंपनियों को सबसिडी से बाहर रखने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने चौथी तिमाही के लिए ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को 8,600 करोड़ की पूरी सबसिडी देने का फैसला किया है। इन कंपनियों को वित्तवर्ष 2015 के नौ महीने के लिए 2,200 रुपए के घाटे को खुद वहन करना पड़ेगा। इससे ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को बड़ा सहारा मिलेगा क्योंकि चौथी तिमाही में इन कंपनियों को सबसिडी का बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। चौथी तिमाही में नॉन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के तहत 3,300 करोड़ लॉस ऑडिट के बाद सरकार देगी। इस बीच तेल मंत्रालय ने डीप वाटर ब्लॉक के लिए गैस की कीमत में प्रीमियम का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को दिया है। सरकार ने कहा है कि वो गैस की ज्यादा कीमत देगी।

हाउसिंग फाइनेंस और इंफ्रा कंपनियों पर नजर

हाउसिंग फाइनेंस और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की कंपनियों पर हमें ज्यादा भरोसा है। इंफ्रा क्षेत्र में पोर्ट और पावर कंपनियों के शेयर सस्ते वैल्यूएशन पर मिल रहे हैं। निवेशक मिडकैप शेयरों में भी अवसर तलाश सकते हैं। ऑटो सेक्टर में कमर्शियल व्हीकल बनाने वाली कंपनियों में भी निवेश किया जा सकता है।

आईटी शेयरों का अच्छा प्रदर्शन रहेगा

रुपए की कमजोरी के कारण आईटी शेयर आगे जाकर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। बाजार निचले लेवल पर निवेशकों को निवेश के अवसर दे रहा है। अगर निफ्टी 8,000 के लेवल पर टिका रहा तो चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन अगर ये स्तर तोड़ा तो निफ्टी 7,800 तक जा सकता है।

लंबे समय के निवेश में ही फायदा

डॉ. विकास गुप्ता,
फंड मैनेजर, अर्थवेदा फंड मैनेजमेंट

शेयर बाजार में गिरावट जारी है। निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव को नहीं देखकर सही शेयरों में लंबे समय के लिए निवेश करना चाहिए। इसके लिए क्वालिटी शेयरों की पहचान भी जरूरी है। अच्छे शेयरों की पहचान किसी कंपनी के कारोबार के फंडामेंटल समझकर ही की जा सकती है। अगर आपने एक बार ऐसे शेयरों की पहचान कर ली तो लंबे समय में इनसे अच्छा रिटर्न मिलेगा।

भारत के फंडामेंटल मजबूत

भारत के शेयर बाजार के फंडामेंटल मजबूत हैं। देश की 50 बड़ी कंपनियां 20 सेक्टर को कवर करती हैं। इन कंपनियों का मार्केट कैप कुल बाजार का 70 फीसदी है। भारत के संगठित जीडीपी में इन कंपनियों का 60 फीसदी हिस्सा है। 2006 से 20014 तक टॉप 50 कंपनियों की सालाना बिक्री रफ्तार 21 फीसदी रही। इन कंपनियों के मुनाफे में भी सालाना 15 फीसदी की तेजी आई। अगर हम इन 50 कंपनियों के शेयरों को देखें तो इनमें सालाना 10 फीसदी की ही तेजी आई है। इसलिए बाजार में मौजूदा स्तरों पर निवेश करने के अवसर हैं। इन कंपनियों के एसेट और आय के वैल्यूएशन भी 2007 के लेवल से नीचे हैं। इसलिए लंबे समय में इनमें निवेश बनता है। छोटी अवधि कंपनियों के वैल्यूएशन कमजोर मानसून, सरकार की नीतियों से बदलते रहे हैं। हमारे मुताबिक अच्छे फंडामेंटल ही निवेश का आधार होना चाहिए।

3 से 5 साल के लिए करें निवेश

अगर आप शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं तो कम समय के लिए निवेश ना करें। बाजार में निवेश करने के लिए कम से कम 3 से 5 साल का नजरिया होना चाहिए। अच्छे बिजनेस मॉडल वाली कंपनियों में ही निवेश करें।

मेटल, माइनिंग और आईटी सेक्टर में मौका

अगर हम भारतीय बाजार पर इसे लागू करें तो मेटल, माइनिंग और इंडस्ट्रियल सेक्टर को इंफ्रास्ट्रक्चर के बढ़ने का फायदा मिलेगा। आईटी सेक्टर भी बड़े मुनाफे वाला और कम वैल्युएशन वाला सेक्टर है। इस सेक्टर को अमेरिका की रिकवरी से फायदा मिलेगा। मेक इन इंडिया के चलते एक्सपोर्ट पर फोकस रहेगा। इसके चलते रुपए में कमजोरी रहेगी इसका फायदा भी आईटी सेक्टर को मिलेगा।

तिलहन की तेजी पर लगेगा विराम

कच्चे तेल का तिलहन पर असर

मनोज जैन
डायरेक्टर इंडिया निवेश कमोडिटीज

भारतीय बाजारों में पिछले एक माह से तिलहनों में चल रही तेजी को इस सप्ताह विराम लग सकता है। जिस तरह से कच्चे तेल में आई बढ़त ने मार्केट में तेजी को हवा दी थी। वहीं सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली के चलते कच्चे तेल में एक बार फिर गिरावट देखी जा रही है। इस कारण तिलहनों की कीमतों में लगाम लग सकती है। अन्य ग्लेबल फंडामेंटल का विश्लेषण करने पर भी यह निष्कर्ष निकलता है कि वर्तमान स्तरों पर बाजार ओवर बॉट पोजीशन में है और यहां से करेक्शन आना तय है।

विदेशी संकेतों से दबाव

इंडोनेशिया में एक्सपोर्ट ड्यूटी में दुविधा व बॉयोडीजल कीमत के सरकार के नए फॉर्मूले के चलते पॉम में भी दबाव देखने को मिल सकता है। यूएसएसडीए के अप्रैल माह की रिपोर्ट के मुताबिक विश्व में 3158 लाख टन सोयाबीन का उत्पादन अनुमानित है जो कि रिकॉर्ड है। पॉम और खाने के तेलों का भी रिकॉर्ड उत्पादन अनुमानित है। मई की रिपोर्ट में विशेष बदलाव की अपेक्षा न होने से भी कीमतों में दबाव देखने को मिलेगा।

कैसा रहेगा आउटलुक

सीबॉट-सोयाबीन

सपोर्ट	960 सेंट
रेजिस्टेंस	984 सेंट

सोया तेल

सपोर्ट	32.20 सेंट
रेजिस्टेंस	32.58 सेंट

मलेशिया- केएलसी

सपोर्ट	2,100
रेजिस्टेंस	2,188

सोयाबीन, सोयातेल में होगी मुनाफावसूली

पिछले सप्ताह अमेरिका में कच्चे तेल के भंडार में पिछले तीन महीनों में पहली बार गिरावट देखी गई। बावजूद इसके कच्चे तेल का भंडार 48.7 करोड़ बैरल के स्तर पर बना हुआ है। ब्राजील में ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल भी खत्म हो चुकी है। डॉलर इंडेक्स में भी एक बार फिर गिरावट देखी जा रही है। वहीं सीबीओटी और बीएमडी पॉम में भी कोई विशेष सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। हालांकि रुपए की कमजोरी ने कीमतों को कुछ सहारा दिया है, लेकिन भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 350 अरब डॉलर होने की वजह से रिजर्व बैंक की और से बिकवाली आने पर फिर रुपए में सुधार आना अपेक्षित है। अप्रैल माह में चीन ने 53.1 लाख टन सोयाबीन का आयात किया जो कि मार्च माह के 44.92 लाख टन से 8.17 लाख टन अधिक है पर पिछले वर्ष के इसी माह की तुलना में 18.3 फीसदी कम है। हालांकि चीन का मई महीने में आयात 10 लाख टन से बढ़ सकता है पर अमेरिका के अच्छे मानसून की अवधारणा के चलते व मंगलवार को जारी होने वाली अमेरिका के कृषि विभाग की मई महीने की रिपोर्ट के पूर्व तिलहनों में विशेष तौर पर सोयाबीन और सोयातेल में मुनाफावसूली की बिकवाली देखने को मिल सकती है।

सोयाबीन 4,140 तक जा सकती है

भारतीय बाजारों में एनसीडीईएक्स जून सोयाबीन 4,380 के स्तर पर प्रतिरोध का सामना करेगी और इसमें नीचे में 4,200 से 4140 का स्तर देखने को मिल सकता है। वहीं जून सोयातेल में 604 के स्तर पर प्रतिरोध देखने को मिल सकता है। एमसीएक्स पॉम तेल जब तक 450 के स्तर को पार करने में सफल नहीं रहता तब तक बड़ी तेजी की अपेक्षा नहीं की जा सकती। कीमतें दोबारा 442 और 438 का रुख कर सकती है।